प्रेसनोट

मुख्यमंत्री ने गोरखपुर में 'भगवान नरसिंह की रंगभरी शोभायात्रा' कार्यक्रम को सम्बोधित किया

मुख्यमंत्री ने भगवान नरसिंह का पूजन किया, उपस्थित जनसमुदाय पर फूलों की पंखुड़ियां व अबीर–गुलाल उड़ाकर होली खेली

जीवन में मर्यादा, जीवन्तता, भक्ति और समरसता के मूल्य ही सनातन धर्म की ताकत, इन सभी मूल्यों का भान कराने वाले प्रमुख विरासत स्थल भारत की आत्मा के प्रदेश उ0प्र0 में : मुख्यमंत्री

श्रीराम जन्मभूमि अयोध्या जीवन में मर्यादा, काशी जीवन्तता और चेतना तथा प्रयागराज समरसता का एहसास कराते

प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में देश में जहां एक ओर विरासत का संरक्षण हो रहा, वहीं दूसरी ओर 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की परिकल्पना के साथ 'विकसित भारत' के लिए प्राणप्रण से जुटने का एक जज्बा भी दिखाई दे रहा

हमें भारत को मजबूत बनाने के लिए कार्य करना, 'विकसित भारत' की संकल्पना के साथ जुड़ना और 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' के भाव को अपने जीवन का हिस्सा बनाना

अवतारों की परम्परा हमें इस बात के लिए आगाह करती कि ईश्वर तो सर्वत्र उपस्थित हैं, लेकिन हमें ईश्वर का भक्त बनना पड़ेगा

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी महोत्सव के अवसर पर हम भगवान नरसिंह की शोभा यात्रा का हिस्सा बन रहे

संघ के लाखों प्रचारकों और स्वयंसेवकों ने भारत के सनातन धर्म की परंपरा और देश की एकता और अखंडता के लिए अपना संपूर्ण जीवन समर्पित किया

होली का पर्व हम भारत में ऐसे समय में आयोजित कर रहे, जब पूरी दुनिया में अव्यवस्था, अशांति और अराजकता का वातावरण, लेकिन भारत अपने यशस्वी नेतृत्व में उत्साह तथा उमंग के साथ इस पर्व का आनंद ले रहा

अगली होली के पहले गोरखपुर का भव्य विरासत गलियारा बन कर तैयार हो जाएगा, पूरे देश में विरासत के संरक्षण के अनेक कार्य हो रहे

गोरखपुर :: 04 मार्च, 2026 :: उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री एवं गोरक्षपीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ जी ने कहा कि मानवमात्र के जीवन में मर्यादा, जीवन्तता, भक्ति और समरसता के मूल्य ही सनातन धर्म की ताकत है। हमें गर्व की अनुभूति करनी चाहिए

कि इन सभी मूल्यों का भान कराने वाले प्रमुख विरासत स्थल भारत की आत्मा के प्रदेश उत्तर प्रदेश में हैं। श्रीराम जन्मभूमि अयोध्या हमें जीवन में मर्यादा का बोध कराती है। प्रभु श्रीराम का चरित्र मर्यादा से जुड़ा हुआ है। काशी हमें हमेशा जीवन की जीवन्तता और चेतना का ज्ञान कराती है। जीवन में जीवन्तता रहेगी, तो हमें कुछ भी अभाव नहीं दिखाई देगा। काशी में यह शाश्वत चेतना सदैव प्रवाहित होती है। समूचे ब्रज क्षेत्र और श्रीकृष्ण कन्हैया की जन्मभूमि मथुरा–वृंदावन में पिछले 15 दिनों से होली के उत्सव से लोग जुड़े हुए हैं। लाखों हिंदुस्तानी और विदेशी भी वहां आकर रंगोत्सव के साथ इस आनन्द की अनुभूति कर रहे हैं। मथुरा–वृंदावन की धरती भक्ति का एहसास करा रही है।

मुख्यमंत्री जी आज होली के पावन पर्व पर जनपद गोरखपुर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ एवं श्री श्री होलिकोत्सव समिति की ओर से निकाली गयी 'भगवान नरसिंह की रंगभरी शोभायात्रा' के अवसर पर उपस्थित जनसमूह को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने भगवान नरसिंह का पूजन कर विधिविधान से उनकी आरती उतारी। इसके उपरान्त मुख्यमंत्री जी ने उपस्थित जनसमुदाय पर फूलों की पंखुड़ियां व अबीर–गुलाल उड़ाकर होली खेली।

मुख्यमंत्री जी ने सभी को होलिकोत्सव की बधाई देते हुए कहा कि प्रयागराज संगम में मां गंगा, मां यमुना और मां सरस्वती की त्रिवेणी में न कोई छोटा है, न बड़ा है, न बुजुर्ग है, न बच्चा है, न महिला है, न पुरुष है, सभी एक ही त्रिवेणी में डुबकी लगाकर समरसता का एहसास करते हैं। यही सनातन धर्म की असली ताकत है। होली हमें इसी ताकत का एहसास करा रही है। यहां कोई भेदभाव या छुआछूत नहीं है। कुछ लोगों ने समाज को कमजोर करने के लिए इस प्रकार के स्वांग रचे हैं। हमें उस धोखे में नहीं पड़ना है। हमें भारत को मजबूत बनाने के लिए कार्य करना है। 'विकसित भारत' की संकल्पना के साथ जुड़ना है। 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' के भाव को अपने जीवन का हिस्सा बनाना है।

भगवान नरसिंह हों या भगवान श्रीराम या भगवान श्रीकृष्ण, इस पूरी व्यवस्था में हमेशा उनकी मौजूदगी है। हमें भी भक्त प्रह्लाद, हनुमान और अर्जुन जैसा बनने का साहस करना होगा। भारत के अवतारों की परम्परा हमें इस बात के लिए आगाह करती है कि ईश्वर तो सर्वत्र उपस्थित हैं, लेकिन हमें ईश्वर का भक्त बनना पड़ेगा। जब हम एक भक्त और याचक बनकर ईश्वर की शरण में जाते हैं, तो अपने आप ही हमारी याचना स्वीकार होती है और हमें फल प्राप्त होता है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि होली का यह पर्व आपसी वैर भाव को समाप्त करने के साथ ही, प्रेम और समरसतापूर्ण माहौल में इसे आयोजित करने की एक नई प्रेरणा हमें दे रहा है। इस वर्ष यह पर्व हमारे लिए इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि राष्ट्रीय

स्वयंसेवक संघ के शताब्दी महोत्सव के अवसर पर हम भगवान नरसिंह की शोभा यात्रा का हिस्सा बनने जा रहे हैं। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ दुनिया का सबसे बड़ा सांस्कृतिक संगठन है। हिन्दुओं की आन, बान और शान के लिए संघ के लाखों प्रचारकों और स्वयंसेवकों ने भारत के सनातन धर्म की परंपरा और देश की एकता और अखंडता के लिए अपना संपूर्ण जीवन समर्पित किया है। मुख्यमंत्री जी ने भगवान नरसिंह की शोभा यात्रा से जुड़े सभी पदाधिकारी और स्वयंसेवकों का अभिनन्दन करते हुए कहा कि उनके द्वारा निरंतर इस कार्यक्रम को मजबूती के साथ आगे बढ़ाने का प्रयास हुआ है। यह अत्यन्त सराहनीय है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ 100 वर्ष की अपनी यात्रा को लेकर लगातार आगे बढ़ रहा है। शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार व समाज निर्माण सहित जीवन के हर क्षेत्र में सैकड़ों प्रकल्पों के साथ यह अभियान आगे बढ़ रहे हैं। जीवन में अनुशासन का क्या महत्व होता है, यह हमने विजयदशमी से प्रारम्भ हुए राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पथ संचालन के कार्यक्रमों में देखा है। देश भर में हजारों स्थानों पर पथ संचालन के कार्यक्रम हुए। सामाजिक समरसता को मजबूती प्रदान करने के हिन्दू सम्मेलन चल रहे हैं। समाज का हर तबका इनमें भागीदार बन रहा है। कहीं कोई अव्यवस्था नहीं है। कहीं भी कानून व्यवस्था के लिए किसी प्रकार का कोई संकट नहीं है। सभी लोग अनुशासन में रहकर भारत माता को परम वैभव तक पहुंचाने के संकल्प के साथ 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की परिकल्पना से अपने आप को सम्बद्ध कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि होली का यह पर्व हम भारत में ऐसे समय में आयोजित कर रहे हैं, जब पूरी दुनिया में अव्यवस्था, अशांति और अराजकता का वातावरण है। लेकिन भारत अपने यशस्वी नेतृत्व में उत्साह तथा उमंग के साथ इस पर्व का आनंद ले रहा है। कहीं कोई भय, अराजकता और अविश्वास नहीं है। बस एक ही भाव है और वह है 'सत्यमेव जयते' का। हर ओर एक ही आवाज गूंज रही है, 'यतो धर्मस्ततो जयः'। जहां धर्म और सत्य होगा, वही जय–विजय होगी। यह भाव हमारा सनातन वाक्य है। इसकी गूंज सर्वत्र हमें सुनाई दे रही है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि परसों होलिका दहन के कार्यक्रम प्रारंभ होने के पहले जगह जगह भक्त प्रह्लाद की शोभायात्राएं निकल रही थीं। इन यात्राओं में हजारों लोग भागीदार बन रहे थे। उनमें अपार उत्साह और उमंग का भाव था। हर व्यक्ति होलिका दहन के कार्यक्रम से जुड़ना चाहता था। होलिका दहन से तात्पर्य अपने अहंकार को मिटाना, तुष्टीकरण को समाप्त करना और भ्रष्टाचार का दहन करना है। यदि कहीं कोई अराजकता, आतंकवाद या उग्रवाद सिर उठाने का कुत्सित प्रयास कर रहा है, तो उसे नेस्तनाबूद भी करना है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि हम वर्तमान में 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' के क्रम में आगे बढ़ रहे हैं। यह बहुत अच्छा संयोग है कि हम गोरखपुर के विरासत गलियारे में हैं। अगली होली के पहले यह भव्य गलियारा बन कर तैयार हो जाएगा। पहले 03 मीटर के ही गलियारे में पूरी शोभा यात्रा को ले जाना पड़ता था। अब आपको 10 मीटर चौड़ी और खंभा विहीन सड़क मिलेगी।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि पूरे देश में विरासत के संरक्षण के अनेक कार्य हो रहे हैं। काशी में श्री काशी विश्वनाथ धाम, अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि पर भगवान श्रीराम के भव्य मंदिर का निर्माण, महाकाल में महाकालेश्वर का महालोक, केदारपुरी में भगवान केदारनाथ का भव्य धाम, बद्रीनाथ धाम, सोमनाथ, जगन्नाथ पुरी और रामेश्वरम भव्य स्वरूप ले रहे हैं। आज का भारत अपनी विरासत पर गौरव की अनुभूति करता है। प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में देश में जहां एक ओर विरासत का संरक्षण हो रहा है, वहीं दूसरी ओर 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' की परिकल्पना के साथ 'विकसित भारत' के लिए प्राणप्रण से जुटने का एक जज्बा भी दिखाई दे रहा है। इसी जज्बे के साथ आज हम होली के इस पावन पर्व के साथ जुड़े हुए हैं।

इस अवसर पर सांसद श्री रवि किशन शुक्ल सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण एवं गणमान्यजन उपस्थित थे।